an>

Title: Need to provide financial assistance to all the people seeking help from Prime Minister's National Relief Fund.

श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव)ः हमारे देश में प्रधानमंत्री राहत कोष देश में गरीब परिवारों के रोगियों के इलाज के लिए एक वरदान है जो माननीय संसद सदस्यों की सिफारिशों पर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करता हे। लेकिन सांसदों को इस विषय पर बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे चुनाव क्षेत्र से गंभीर रोगों से पीड़ित जैसे दिल की सर्जरी, गुर्दा प्रत्यारोपण, कैंसर जैसे गंभीर और महंगे इलाज के लिए लोग प्रधानमंत्री जी को उन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए निवेदन करते रहते हैं और इससे कुछ लोगों को कुछ प्रमाण में आर्थिक सहायता मिलती भी है, लेकिन कई लोगों के निवेदनों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। एक चुनाव क्षेत्र में कम से कम 15 से 20 लाख मतदाता रहते हैं और संसद सदस्यों को हर रोज गंभीर रूपसे पीड़ित लोगों के निवेदन प्राप्त होते रहते हैं, लेकिन प्रत्येक संसद सदस्य की एक महीने में दो या तीन सिफारिशों को ही मंजूर किया जाता है वह भी लॉटरी सिस्टम से। सांसदों के पास वही लोग आते हैं जिन्हें आर्थिक सहायता हेतु कोई और रास्ता नहीं पता और इसमें एक ऑपरेशन या सर्जरी के लिए 5 से 7 लाख रूपए तक का खर्च आ रहा है। लेकिन इन लोगों को आर्थिक सहायता के नाम पर 25 से 50 या 70 हजार रूपये तक ही आर्थिक सहायता मंजूर होती है इससे उन्हें अपना इलाज कराने में बहुत दिक्कते होती हैं और उन्हें इलाज के लिए आर्थिक सहायता पूरी नहीं मिलने के कारण उनका इलाज अधूरा रह जाता है और इससे कई मरीजों की मृत्यु तक हो रही है।

अतः मैं सरकार से और माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि इस विषय की गंभीरता को देखते हुए जितने भी निवेदन माननीय संसद सदस्यों द्वारा प्राप्त किए जाते हैं और आर्थिक सहायता हेतु संस्तुति कर प्रधानमंत्री कार्यालय भेजे जाते हैं उनको इलाज का पूरा खर्च प्रधानमंत्री राहत कोष से तत्काल देने का प्रावधान किया जाये या जिस हॉस्पीटल में उसका इलाज चल रहा है उस हॉस्पीटल को निर्देश दिया जाये कि इस रोगी का इलाज पूरी तरह मुफ्त किया जाये।